Class - 8
Subject - HINDI
पाठ – 9 प्रेमचंद : संघर्षों में खिला गुलाब

मौखिक

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. प्रेमचंद का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

उत्तर प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई सन् 1880 को वाराणसी के निकट लमही नामक गाँव में हुआ था।

ख. प्रेमचंद का असली नाम क्या था?

उत्तर प्रेमचंद का असली नाम धनपत राय था।

ग. 'प्रेमाश्रम' उपन्यास उर्दू में किस नाम से प्रकाशित हुआ था?

उत्तर 'प्रेमाश्रम' उपन्यास उर्दू में 'गोएश आफ़ियत' नाम से प्रकाशित हुआ था।

घ. प्रेमचंद का जीवन कैसा था?

उत्तर प्रेमचंद का जीवन अभावों एवं संघर्षों से भरा था।

ङ मृत्यु के समय प्रेमचंद के पास कौन था?

उत्तर मृत्यु के समय प्रेमचंद के पास प्रसिद्ध कथाकार जैनेंद्र कुमार थे।

3. लिखित

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. पत्र के द्वारा लेखक के मित्र के विषय में क्या पता चलता है?

उत्तर पत्र के द्वारा लेखक के मित्र के विषय में पता चलता है कि वे साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे 'अक्षर खबर' मासिक पत्रिका का प्रकाशन–संपादन कर रहे हैं। साहित्यिक पुस्तकों के प्रचार–प्रसार के लिए हरियाणा, राजस्थान, पंजाब आदि प्रांतों के नगरों में पुस्तक मेलों का आयोजन कर रहे हैं। अनेक पुस्तकों का संपादन भी कर चुके हैं और लघु कथा विधा को लेकर भी क्रियाशील हैं।

ख. धनपत राय प्रेमचंद कैसे बने?

उत्तर धनपत राय नवाब राय के नाम से लिखते थे। उनकी पहली कहानी संग्रह 'सोज़े वतन' में देशप्रेम की पाँच कहानियाँ थीं। जिस कारण अंग्रेज सरकार ने उसकी सारी प्रतियाँ जब्त कर लीं और उसके लेखक को ढूँढ़ने लगी। वे भूमिगत हो गए। इसके बाद वे अपने मित्र दया नारायण निगम की सलाह पर प्रेमचंद के नाम से लिखने लगे। इस नाम से उनकी पहली कहानी थी 'बड़े घर की बेटी'। इस प्रकार परिस्थितिवश वे प्रेमचंद बने।

ग. 'सप्त सरोज' में प्रेमचंद की कितनी कहानियाँ छपीं?

उत्तर 'सप्त सरोज' में प्रेमचंद की सात कहानियाँ छपीं। उन कहानियों के नाम हैं – 'बड़े घर की बेटी', सौत, सज्जनता का दंड, पंच परमेश्वर, नमक का दारोगा, उपदेश और परीक्षा।

घ. प्रेमचंद ने महात्मा गाँधी के प्रभाव में आकर क्या किया?

उत्तर प्रेमचंद ने महात्मा गाँधी के प्रभाव में आकर 15 फरवरी 1921 को सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। 18 मार्च, 1921 को वे गोरखपुर से वाराणसी आ गए और काशी विद्यापीठ के स्कूल का कार्यभार सँभाला। बाद में उन्होंने सरस्वती प्रेस खोली जिसमें उन्हें बहुत हानि हुई।

ङ प्रेमचंद की मृत्यु से पूर्व के समय के विषय में जैनेंद्र कुमार ने क्या लिखा था?

उत्तर प्रेमचंद की मृत्यु से पूर्व के समय के विषय में जैनेंद्र कुमार ने लिखा था कि मौत से पहली रात वे उनकी खटिया के बराबर बैठे थे। सवेरे सात बजे उन्होंने इस दुनिया से आँखें मीच ली थीं। उसी सवेरे तीन बजे उनकी उनसे बातें हुई थीं। उस छोटे और अँधेरे कमरे में सन्नाटा होने के बाद भी शब्द उनके मुँह से निकलकर जैसे खो जाते थे।

च. प्रेमचंद की कुछ प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर प्रेमचंद ने साहित्य की गद्य रचनाओं के माध्यम से सेवा की। हिन्दी साहित्य के भंडार को भरने वाली इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं –

उपन्यास	–	प्रेमा, वरदान, सेवा सदन, प्रेमाश्रम, निर्मला, रंगभूमि, कायाकल्प, कर्मभूमि और गोदान।
नाटक	–	संग्राम और कर्बला
कहानी	–	दुनिया का सबसे अनमोल रतन, सोज़े वतन, बड़े घर की बेटी, सौत, सज्जनता का दंड, पंच परमेश्वर, नमक का दारोगा, उपदेश, परीक्षा, सवा सेर गेहूँ तथा शतरंज के खिलाड़ी।
निबंध संग्रह	–	कलम, त्याग और तलवार।

4. मूल्यपरक प्रश्न

क. मनुष्य को बाधाओं का किस प्रकार सामना करना चाहिए?

उत्तर मनुष्य को बाधाओं का सामना डटकर करना चाहिए। बाधाओं से डरने वाले जीवन में सफलता नहीं प्राप्त कर सकते। बाधाओं का सामना करने वाले, उनसे संघर्ष करनेवाले ही सफलता का स्वाद पा सकते हैं। इतिहास में इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं।

अतः बाधाओं से घबराना नहीं चाहिए। उसका पूरी ताकत से, सतत् सामना करना चाहिए।

5. सही विकल्प के सामने शुद्ध (✓) का चिह्न लगाइए –

क. लेखक ने यह पत्र किसे लिखा है?

रमेश	सुरेश	दिनेश	महेश

उत्तर सुरेश

ख. प्रेमचंद की पहली कहानी कब प्रकाशित हुई?

1906 ई0 में	1905 ई0 में	1907 ई0 में	1904 ई0 में

उत्तर 1907 ई0 में

ग. प्रेमचंद ने 1 अक्तूबर, 1922 में कौन–सा उपन्यास पूरा किया?

रंगभूमि	गोदान	शतरंज के खिलाड़ी	हमसबाव

उत्तर रंगभूमि

घ. प्रेमचंद कितने वर्ष तक जीवित रहे?

52 वर्ष	58 वर्ष	56 वर्ष	60 वर्ष

उत्तर 56 वर्ष

ङ प्रेमचंद की पत्नी का नाम क्या था?

सदारानी	शिवरानी	रूपरानी	निरूपारानी

उत्तर शिवरानी